



ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

संकाशादिनि य ॥ अथ अथ यत्र मासि यत्र मं ॥ श्री कर्मल कर्मल ॥
कामल महो महल श्री राजा मंदिर वद साहा ॥ १५ ॥

श्री ३ मत श्री सुरु चार्थ के ज ॥

(सूर्यमास ॥ रुत शुद्धि ॥ आसु मूजा ॥ ॥ विन्दु ॥ अन्तर्माग ॥ पय वलि ॥ विन्दु ॥ थत वलि सु ॥
उक्त या भव वक्त ॥ थन थमात्र स आवाहन माय पन यं धमले ॥ जघी सुविर्दि ॥
उज्जु अन्तर्माग लला आदि दव पायु ॥ वलि ॥ निन मासन पायु ॥ क ॥ वलि ॥ नमं य
वासन पायु ॥ वद क ॥ वलि ॥ उगुमासन पायु ॥ गल वलि ॥ ॥ निममासन पायु ॥
नसवासन पायु ॥ नवात्मा वलि ॥ थन थमना को देव या न यजित वलि ॥ वलि मोल ॥

आशा

906

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

आयादूकी ॥ वलि ॥ ० ॥ नैज आधनादि
॥ नैज सिद्धासनयादूकी ॥ नैज गुं सासनया
दूकी ॥ नैज निगुं सासनयादूकी ॥ नैज मारु
यासनयादूकी ॥ धीन ॥ नय्यांजलि ॥ नै
ज दं २ रुगवती कलिका यायनी पुंवे न्य

यौ नमः ४ यादूकी ॥ ३ ॥ वलि ॥ नैज वक्राया
दिमा नृग ज्ञायायादूकी ॥ वलि ॥ ॐ ॥
कं रुयूजा ॥ नैज आधनादि ॥ नैज नैकाना
सनयादूकी ॥ नय्यांजलि ॥ नैज दं २ सं २
वा नृणा मूर्तय कूलकं शययि यांजलि

यूय वादुकां ॥३॥ वलि ॥ ॥ वलिभाल ॥
धूव दीय नैव द्य स सा क्काय ॥ जाय ॥
स्काग ॥ अखण्डतणुला काल नि ॥ अर्थ तीम
गला काली रङ्ग काली कया त्रिणी ॥ दुर्गा क
मानिवाधाणी स्वधा स्वाहानभा हुत ॥ एीस

वर्ता ॥ अङ्ग गंधादि ॥ समय क्काय ॥ सगुण
क्काय ॥ थवर्त अ शिष कथ न सिधु खान
काय समय ॥ न्यास ॥ मूर्य सा क्कियोय ॥
ॐ नि स्वत्य दुर्गा च न विधि ॥ स ११७ आ
वाट क पुद गीमी लिखित ॥ गुरु ॥ ॥

हृषीगुर्वत्रवदकमताह्यनमः॥सूक्तंदानं॥प्रशतिकयाय॥
यातवत्थायनिप्रसिं सहप्रानितामूकं।मूलुद्विभ्रमश्च
सुद्विनेहीद्विद्विनीति॥वराह्यकर्वनार्त्तयेनमोनत्तसं
मूर्त्त।वामानूगतात्तकि।वामेनात्तलक्षनया॥दक्षिणात्ति
गिर्त्तयायत्त।गुवाहंनमधूर्वर्क॥स्वनिप्रसिवक्त्रनल्यसंय
दमूडाहगुर्वमूर्त्तिकेत्यनामाय॥दोलींहीगुर्वज्ञानन्दना

धन्वितलङ्गाभ्याहीयादूकस्यनमः॥मानस्ययायवात्रधूजा
याय॥लंयुधिवात्तर्कगर्धसमर्थयामिनमः॥कनिष्ठास्य॥
हंआकाशत्तर्कयुध्यसमर्थयामिनमः॥मृगुष्टास्य॥र्यवायूआ
त्तर्कधूयसमर्थयामिनमः॥तर्जनीस्य॥वैतजात्तर्कदीर्घसम
र्थयामिनमः॥मध्यमास्य॥वैवसात्तर्कनेत्रस्यसमर्थयामिनमः॥
अनामिकास्य॥निंतामूर्त्तसमर्थयामिनमः॥अङ्गुलीर्त्ता॥संसा

वयालक्षितार्थमाहमार्गप्रदर्शकः । आदिमादिमनादिचष्टा
 र्थप्रसंगमाह ॥ यत्रमूलावनमस्कावयाय ॥ इति श्रीवैष्णव ॥
 इति श्रीमद्वैष्णवकृष्णलितोक्त्या ॥ मूलाक्षनादिवक्त्रवर्णमयर्क
 मूलविद्याविमलनायाय ॥ इति श्रीवैष्णवसौख्यं इति श्रीवैष्णव
 नैष्णविकोक्त्या इति श्रीवैष्णव ॥ मूर्धन्यदयाय नमः ॥ इति श्रीवैष्णव
 ॥ यथाशक्ति उवाच ॥ इति श्रीवैष्णव ॥ १० ॥ १० ॥ इति श्रीवैष्णव

१० ॥ शुद्धातिशुद्धमयुर्वर्णमयमूलकतज्जय । सिद्धिर्वृत्तवृत्तमभा
 तत्वव्यमाद्यन्तर्वर्धनि ॥ निग्रीयानमूदाननिर्वन्दनयाय ॥ इति
 दयाय नमः ॥ यातयवृत्तिशायार्कमायादिष्टातर्वततः ॥ यत्क
 वामिजगत्माता ततामृतवयूजर्त ॥ यत्रमूलावनमस्कावयाय
 ॥ ॥ अजयासमर्थवयाय ॥ इति श्रीवैष्णवमूलाक्षनादिवक्त्रवर्णमयर्क
 तिसाहस्रश्लोकमूलाक्षनादिवक्त्रवर्णमयर्कमायादिष्टातर्वततः ॥ यत्क

नमोऽस्तुते ॥ ॐ कुरु स्वाहा ॥ ॥ विरुति न तित्य ॥ हो नमः ॥ निवा
या ॥ क्षत्र तजयल रीतिय ॥ वक्रव च ॥ मरु कस ॥ नगलस ॥
जवखववाहास ॥ सर्वा गमा ॥ नहुकावलाहातसिय ॥ चतने
तेय ॥ जवलाहातनकावावखवलाहातसतय ॥ लिकाधवाय
दथसु की काव थाय ॥ मृगुष्टु जनामिकानयुध्री मतने ॥ ॐ
नकलाये नमः ॥ ॐ कुरु कलाये नमः ॥ ॐ क्रिया कलाये नमः

॥ ॐ नकि कलाये नमः ॥ ॐ काम कलाये नमः ॥ ताकयुयावक्ष
न उजयलथ ॥ की की की सर्व ऊतमाहिति सर्ववर्णकविमत्र
कुरु स्वाहा ॥ सकलजिनी विरुति न तया ॥ ॥
सन्ध्यायाय ॥ नासिन ॥ लखसविन्दु लिकाधवाय ॥ की मृगु
मूडाहसूर्यमहलसतीधवान ॥ गंगायमनयेव ॥ गदावनी
सप्तसती ॥ नमोऽस्तुते ॥ कावेरी ॥ जलसिन्धु सीतारिक्क ॥ नय्या

निमूडाए वंधनमूडाए जंमनिमूडाए कर्त ॥ कौंताकयूया
वधनतऊयत्रये ॥ अलखऊवसकायाव खवनताकयूया
डा यंत्रवंधन ३ ऊयलथ ॥ खवकासननाहुन ॥ ऊवकासन
धिकाय ॥ रुद्धकेशवसवाय ॥ लाहातसिय ॥ नामिन ॥ कौंया
निमूडाएथवनित्रयस्यमालतन ३ ॥ सूर्यमंलुलसमूर्धविद्या ॥
उंलियवसुन्दरीविग्रह कामन्त्रीविग्रह तन्त्र ४ विग्रहयथा

दयात् ॥ सद्यत्रिवात्रसहिताया ३ दमर्द्युष्टाहासायाल ३ ॥
ममजीअधसकिऊयथाय ॥ युष्कातिनिवंधन निग्रानिमूडाए
कौंददयायनम ४ ॥ लखनदेवीतय्यलयाय ॥ कौंसाहालीमहा
जियवसुन्दरीलीयाइकातय्ययामिनम ४ ॥ सयाल ३ ॥ कौंदस
लीमहामालुकेनवायइकालगकिथूकायसाकिननषतर्ध
नम ४ ॥ अद्वैदममु ॥ नैआनिमूडाएनमकात्रयाय ॥ सर्वमार्थ

कमल ॥ ॥ निखारुनयाय ॥ नासिन ॥ कीर्तीयतस्मानि
गलकायजुकाय रुद्रधर्कदलदिगर्भतर् ॥ २ रुद्रधर्क
मिश्रकलितशायक ३ ॥ २ वें कीर्तीय रुद्रधर्कको लदधूसध
डानेसा ॥ २ वास्त्राधियतयवृक्षलनम ॥ नेर्मृत्तकाय ॥ २
आधनलकि कमलासनायनम ॥ २ कृष्णायनायनम ॥ अत
आसनयूजा ॥ खवक्तसयातर्भयो ॥ २ पुत्रुखानम ॥ अथवा

वाय ॥ २ र्गगलधतयनम ॥ मूर्द्धि ॥ २ वीधवदवतायनम ॥
॥ अतंकता ॥ ॥ वेतस्त्रानकायावरुद्रधर्ककनलधन
माय ॥ रुद्रधर्कको लदधूसधडानेसा तलदाय ३ ॥ २ रुद्रध
र्कदलदिगर्भधनयाय ॥ ॥ आलयाय ॥ कीर्तीयुवक ॥ कीर्
कृष्णक ॥ कीर्तीयुवक ॥ अतस्त्रयातयाय ३ ॥ अथवीविशामहा
मन्त्रायदकिममूर्त्तिमृत्तिलिप्रसि ॥ यकि कुन्द ॥ मुख ॥ वीमहा

पुत्रसूक्तरीदवताद्वदि । नैवीर्जुगुक्त ॥ शौनिकियादया ॥ कौ
 कीलेर्कसर्वादि ॥ ममसमस्यपुत्रार्थसिद्धार्थकयवित्तिथागः
 ॥ कर्त्तव्यासयाय ॥ नैर्जुगुष्टार्थनिमः ॥ कौर्त्तुनीर्त्तुनिमः ॥ शौ
 मध्वमास्त्यनिमः ॥ शौर्त्तुनामिकास्त्यनिमः ॥ कौर्त्तुनिमः ॥ शौ
 नैर्कवर्त्तुनिमः ॥ ॥ मर्त्तुर्गन्यासयाय ॥ नैर्ददयायन
 मः ॥ कौर्त्तुनिमः ॥ शौर्त्तुनिमः ॥ शौर्त्तुनिमः ॥ शौर्त्तुनिमः ॥

[illegible]

उद्ययाय ॥ युष्माकं निवेदनं यथा ॥ निष्ठा नमूदा न को दया
यतमः ॥ श्री श्री सादय नमः श्री सा इ कथं युष्माकं निवेदनं यथा ॥
नमः ॥ ॥ कमल देव देवो नि निष्ठा नमः ॥ नमः ॥
मूला निवेदनं निष्ठा नमः ॥ नमः ॥
यस्यैकं अर्थं विद्य ॥ यानि मूला नमः ॥
कमल ॥ ॥ यथा तं निवेदनं यथा ॥

॥ नमः ॥ श्री सादय नमः ॥ नमः ॥
यथा तं निवेदनं यथा ॥ नमः ॥
निष्ठा निवेदनं यथा ॥ नमः ॥
नमः ॥ नमः ॥
नमः ॥ नमः ॥
नमः ॥ नमः ॥
नमः ॥ नमः ॥

र्गिकं वाचा अविप्रवितं निर्वृद्धिदलकला र्गमार्थ ॥ ८० ॥
 रसमि ॥ आदिनाथया इके स्वातम ॥ नं कुंष्टिं शुं कौं ॥ पुन
 स्वातम ॥ नं ज अखलुमेहुला कार्वा र्वा र्क उत वनावनरी
 तत्यदं दनिर्तिउत तस्मिणी पुनवनम ॥ नं मद्रास्त्रायमाइ
 का ॥ यशस्त्रायमाइका ॥ नं कूमास्त्रायमाइका ॥ नं जकि
 निश्चिन्नेकास्त्रनाय अस्त्रामरुट् ॥ लाहलें ॥ नं गुरु ॥

अंतर्कृती ॥ श्री मधुमा ॥ शुं अनामिका ॥ कौं कनिष्ठ ॥ नं ज
 नमारुगवतिद्या तं दलक मनाथ ददया येनम ॥ ददय
 सा ॥ नं ज शुं श्री कृति काये कूल दीयाये नित्रसेखाहा ॥ भा
 जसा ॥ नं ज अ शुं श्री श्री श्री वव्वनकम अवा मट ॥ चसय
 वसा ॥ नं ज अ अवनम अश्री नाम्नी वरुवूया य कवेवा यदू
 ज ॥ श्री सा ॥ नं ज अ श्री महकात्रिका येनेपु याये वमट् ॥

मिखासु ॥ नंज किति श्रिचक्रकाङ्कनाथे शुभाय हट ॥ नृति
कवाङ्गनाथ ॥ वकुं नास ॥ नंज हट सखी जलयोगाय
दूका ॥ धनमूजा ॥ नंज यो कलकाभात्री विग्रह मनुकादि
सूधी मह ॥ तन्ना कौलियया दयात ॥ लीयन हय ॥ जलया
गुहाधन विधि ॥ नं सनं हनं कते मने लन वनं वनं ये
नंज ॥ नंज सखी अर्थया यया दूका ॥ यानिमूजा ॥ नंज नं

कांतां शुं कोंज ॥ हतगुद्धि ॥ नृति अर्थया गुहाधन विधि ॥
षट्कोत सवलि भयये ॥ अर्थतीथमस्तानत दूया ॥ नंज ह
ए आनया दूका ॥ नं चन्दनया दूका ॥ को अकतया दूका ॥
श्री सिन्दूरया दूका ॥ शुं माहति या दूका ॥ को चयया दूका ॥
दूमाया दूका ३ ॥ अर्थवलि पूजन ॥ नं कांतां वदकनाथय
वलि गुरु श्वाहा ॥ नं कांतां को कां कूंक जया लाय वलि गुरु

हृत्तुष्टिः

विन्दुविश्वः अक्षरार्थगः ॥ यद्वदति ॥

आत्मसीवर्तः ॥ यत आत्मयूजा ॥ यमयतनिन्धत्रततयस्माननकू
या ॥ विन्दुविश्वः यमकुतः ॥ निमः ॥ पीताथय ॥ अतमः ॥ सिद्धिनाथ
या ॥ अतमः ॥ कूजगताथय ॥ अक्षययूजा ॥ ॥ यतयद्वदतिः
विश्वः ॥ यतवलिः सते ॥ ॥ यतयवमात्रसंज्ञावाहनया मयत्रय
यमकुतः ॥ अक्षयसंज्ञादि ॥ यतयवमात्रसंज्ञानतने ॥ नैकोक
याताययायूजा ॥ नववर्ति ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥
नैकोकमकुतलली आदिदवयायू ॥ वलि ॥ २
नैमयूत्रामनयायू ॥ १ ॥ नैमयूत्रामनयायू ॥ २

नैमयूत्रामनयायू ॥ १

॥ वलि ॥ नैमयूत्रामनयायू ॥ वलि ॥ नैमयूत्रामनयायू ॥
नैमयूत्रामनयायू ॥ यतयूजलिः सयात्र ३ ॥ नैमयूत्रामनयायू ॥
नाकिरेत्रवानन्दवीरात्रियतययू ॥ पीमहाविश्वः ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥
यवनीनवासायूत्रमकुतलरुद्रात्र ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥
या ॥ ३ ॥ यतलि वलिमात्ररुद्रात्र ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥
नैमहाकात्र ॥ नैमयूत्रामनयायू ॥ सर्वेत्तदवस्था ॥ नैमयूत्रामनयायू ॥

ला १

नैमयूत्रामनयायू

मूर्धन्यनमः ॥ यायूः ॥ नृतिनिह्यार्चनविधिसमाप्तः ॥ ॥
 ॐ महाप्रथमायायूरु ॥ कलामधर्त ॥ ॐ शर्वात्मनं ॐ गुहाया
 नमः ॥ ॐ ब्रह्मा (सहजं) नीत्यानिमः ॥ ॐ जालनिमः ॥ मात्यानिमः
 ॥ ॐ धीयः ॥ मूनामिकात्यानिमः ॥ ॐ अतिवृथकनिह्यः ॥ ॐ
 ॐ यायुप्रथमायायूरु ॥ सर्वदयादि ॥ ॥ या (लो) ब्रह्मकया

हवः

लमृकलतर्लक (समूत्रा) ववयूः सर्वा (समूह) भारं धवलायवा
 हिमालाप्रुर्त ॥ विमृहीतमित्रयमादनमियाहूयायिर्मरुतय
 ॥ यायाद्वयलयावमानसमयं कायालिक ॥ कत्रशा ॥ यत्रया
 या ॥ ॥ यत्रमस्मिन्निवागित्री गुह्वयिनिवेष्टुवी ॥ कालगुहि
 तथत्रेदी वामूखलश्रीवसुकाहेववागवताथश्च सिहवा
 श्रीतथयत्रा ॥ याहुमदेवदेवनी नलादिदलमन्त्रिका ॥ ॐ ॥ ॥

२

तावस्या तावस्या नमो तव स्या ताव नम स्या ही
माता वस्य धन ॥ दाता तमूनं न्ये वात्र ॥ अवा
लात्र क इ ना ॥ ४५ ॥ पु विना ॥ धु मे ग मा ॥ ४५ ॥ १०००
क ॥ क या वा क मी न रु य ॥ ता हा ता न शी न ॥ त की स
दा या ध ती डी व ॥

ॐ अमहा मणिमा तूटा कोला स्या त्रक नावनी । मीता व
य कोला स्या नावनी ॥ मयूरासन मा तूटा मं क व कु
क विन्दू मू डा व को मा नी त्र के वा सनी ॥

906	
-----	--

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

श्री नमः॥ उँ कौं क नि ह्य श्री नमः॥ क व न्या
स ॥ उँ कौं द द या य नमः॥ उँ कौं लि त स
खा हा ॥ उँ कौं लि खा ये ती षट् ॥ उँ कौं क व वा
य दूँ ॥ उँ कौं न न ग या य व षट् ॥ उँ क ४ अ
मा य रु द् ॥ अंग न्यास ॥ ज ले पा ग यू जा

॥ च न्द ना क ग यू जा ॥ धे नू मू दी द र्ण य
७ ॥ आ न्न यू जा ॥ ॥ उँ कौं कौं स ४ मृ र्था य
नमः॥ ३ ॥ ना गी द वी स हि ना य नमः॥ व
लि ॥ जा य ॥ उँ कौं कौं स स्वा हा ॥ १० ॥
॥ उँ कौं स न मी ना ना य ल य वि श्वा न न कौं

स्वाहा ॥ ३ ॥ लक्ष्मी साहि गायनमः ॥ वलि ॥
जाय ॥ ॐ कौं स स्वाहा ॥ १० ॥ ॥ ॐ अद्यात्र
कौं लि वाय स्वाहा ॥ ३ ॥ अद्यात्र अत्र नो सहि
गायनमः ॥ वलि ॥ जाय ॥ ॐ अद्यात्र कौं स्वा
हा ॥ १० ॥ श्री ग ॥ ॐ नमः ॥ सुयोयदवाय ॥

॥ ॐ श्री सखा हा ॥ १० ॥ ॥ ॐ नूचात्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ अथ श्रीनारायण
 गायनमः ॥ वलि ॥ जाय ॥ ॐ अथ श्रीनारायण

गायनमः॥ बलि॥ जाय॥ उं गूया वं ज्ञो स्वा

ॐ ॥ १० ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ मुख्योपदेशः ॥

ऊवाकू मूमसंकां कांथिथयं महायू
 सि। नभात्रिं सर्वयायघ्नं यत्तामामिदिवो
 करं॥ यस्य हस्तं गदाचक्रं गच्छामस्य
 वाहनं। सभा कत्रा निकल्यानं यन्ननाश
 जनादितं॥ भद्रकाष्ठं दत्तानीं गवांकाठि
 न।

नि। तन्मात्रिं सर्वथा यच्च यत्तन्मात्रिदिवो

करं ॥ यस्य हस्तं गदाचक्रं न नूतनं मया

वाहनं। सभा के प्रातिकल्यान यद्मनाशा

जनादितं ॥ भूकाष्ठं दत्तानी गवांकाठि
न

सन्निवधि। यश्च काटि दुर्गमानां तत्कलं
 निवदगर्नं॥ निर्ययवा चैननिमिच्छार्थ
 अरुगं प्रयुष्यधुपदी यश्च चैनविधि तस्य
 च यत्रियुर्लु ममु॥ नमस्कारं॥ नास ॥
 नासिय॥ ॐ नि लिगा चैन ॥ ॥

ॐ मलुना ॐ का ना ना ना मला ॥ ॐ का वि धा ता मला ॥ ॐ का नि व ता मला ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ नासिय॥ मृयार्थ
 ॥ ॐ कां कां मः मृयार्थ नमः वा दू कां युज
 यामि॥ काण॥ अर्चिर्न सर्व कायां दी कुल
 मार्तु ॐ नव । नो मिथ काण सकि ल्वं ॐ
 कि मू कि रु लय दं । कुल मार्तु ॐ मका रं

नवाय नूर्ययादू कां पूजयामि॥ श्री गुरु
आ नमः॥ नैजं अखण्डमष्टलाकारं व्याप
यं न च नो चने। नयदं दानं नयनं नस्म
श्री गुरुवं नमः॥ गुरुयादू कां पूजयामि॥
वैद्यनाथनयादू कां पूजयामि॥ नैजं यथासं

नयादू कां पूजयामि॥ नैजं कुम्भासनयादू
कां पूजयामि॥ ॥ ~~वैद्यनाथ~~ ॥ नैजं किलिखि
वैको कनाथे ५४ अनाय रुद्रयादू कां पू
जयामि॥ वैद्यनाथ कूटमुखा देवस्थि ॥ ॥
नैजं चलमकूलं कूलमचलं कूलं रुद्रा

ॐ नमः शिवाय नमः ॥ २
हा ॥ ॥ न्यास ॥ वैं ॥ कूं ॥ अं ॥ अं ॥ यं ॥ रुं ॥ टं ॥ क
ले ॥ लो ॥ धं ॥ नं ॥ ॥ वैं ॥ कूं ॥ अं ॥ अं ॥ यं ॥ रुं ॥ टं ॥ क
उ या मि ॥ ॥ वैं ॥ कूं ॥ अं ॥ अं ॥ यं ॥ रुं ॥ टं ॥ क
उ या मि ॥ ॥ वैं ॥ कूं ॥ अं ॥ अं ॥ यं ॥ रुं ॥ टं ॥ क
उ या मि ॥ ॥ वैं ॥ कूं ॥ अं ॥ अं ॥ यं ॥ रुं ॥ टं ॥ क

उ या मि ॥ ॥ वैं ॥ कूं ॥ अं ॥ अं ॥ यं ॥ रुं ॥ टं ॥ क
उ या मि ॥ ॥ वैं ॥ कूं ॥ अं ॥ अं ॥ यं ॥ रुं ॥ टं ॥ क
यू उ या मि ॥ ॥ कलं ॥ न्यासं ॥ न ॥ अं ॥ न्यास ॥ ॥
॥ वैं ॥ कूं ॥ अं ॥ अं ॥ यं ॥ रुं ॥ टं ॥ क
य उं ॥ न ॥ आवाहनादि ॥ ॥ नमः ॥ शिवाय ॥ ॥

ॐ ति जल वा ण यु जा ॥ ॥ अर्ध वा ण यु जन
॥ नै ज सं २ अर्ध वा ण या दू कां यु ज या मि ॥ व
ॐ ग ॥ आ वा रु ना दि ॥ आ नि मू जी द र्ग थ ॥
ॐ ति अर्ध वा ण यु जा ॥ ॥ नै जीं श्रीं कुं जीं
॥ इ ग पु छि ॥ नै च न न या दू कां ॥ श्री अर्ध न

या दू कां ॥ श्रीं सि दू न या दू कां ॥ कुं भा रु नी या
या दू कां ॥ श्रीं यू थ या दू कां ॥ कुं वा दू कां ॥
यं व व लि ॥ नै ज वां व दू क ना थ य व लि गृ
क्र २ खा दा ॥ नै ज कां क र या ला य व लि गृ क्र
२ खा दा ॥ नै ज यां आ मि नी थ य व लि गृ क्र २

स्वाहा ॥ नैजं ^{वाँ} श्रुं वामूलुये वलि गृह २ स्वाहा ॥
 नैजं माँ गल ^{वाँ} व तथ वलि गृह २ स्वाहा ॥ ॥
 मय्यं ॥ नमः ४ ग्रीना था यनमः ४ ॥ नमः ४ ग्री सिद्धि
 ना था यनमः ४ ॥ नमः ४ ग्री कूँ ग ना था यनमः ४ ॥
 श्रुं यादू कां ॥ २ ॥ नैजं ग्री मं वरु मलु लार्क

पृष्ठ ३

कमयद निदिता नन्दन कि सुशीमा मृद्धि
 नाथ चरु कं अकूल कूलगु न यश्च कं वा
 न्यश्च कं । ववात्रा पश्च कानं धून न विचरु
 नै मं मलु लेन सै मृष्टं यनमः ४ नमः ४ नमः ४
 नमः ४ नमः ४ नमः ४ नमः ४ नमः ४ ॥ ॥ नैजं श्रुं
 नमः ४ नमः ४ नमः ४ नमः ४ नमः ४

अननक मथल श्री आदि द वया दू कां पूजया
मि॥ नै० नना सनया दू कां पूजया मि॥ नै० कां
कै० या लायया दू कां पूजया मि॥ वलि॥ नै०
मयूना सनया दू कां पूजया मि॥ नै० वों वद
कना थायया दू कां पूजया मि॥ वलि॥ नै० सु

भा सनया दू कां पूजया मि॥ नै० माँ ग ल य ग
थया दू कां पूजया मि॥ वलि॥ ॥ नै० य द्वा
सनया दू कां पूजया मि॥ नै० ग वा सनया दू
कां पूजया मि॥ नै० दं २ आन नद ग कि रें न
वान नद वी ना धिय ग थ सें २ या दू कां पूजया

मि॥३॥वलि॥ विपुलथानिमृदादमर्कः॥
नैजप्रधानजौधयान्नौधयान्नकनकुंकुं
सर्वतसर्वसर्वदुःखान्नदुःखदुःखदुःख
युग॥वलि॥ नैजसर्वदुःखदुःखदुःखदुःख
कथनीकीकामांगदावनीकीकीमहाकाग

काप्रिनीनैसौलीयादुकायुजयामि॥वलि॥
नैजनमारागवलिदुःखदुःखदुःखदुःख
यान्नप्रधानप्रधानप्रधानप्रधानप्रधानप्रधान
विष्टयादुकायुजयामि॥वलि॥ ॥
वलिमाली॥ कादुःखयान्नयवलिगृह्णस्वा

हा ॥ वाँ वट्ट कना थाय वलि गृह २ स्वाहा ॥
गों गाण य न थ वस्ति गृह २ स्वाहा ॥ यों
आगिनी था वलि गृह २ स्वाहा ॥ भूँ चामूष्ण
ये वलि गृह २ स्वाहा ॥ दूँ महा काली य वलि
गृह २ स्वाहा ॥ दूँ महा कनवी नमो गानाय

वलि गृह २ स्वाहा ॥ नें सर्व था द व था वलि
गृह २ स्वाहा ॥ हँ ते सें ते वलि गृह २ स्वाहा
॥ नें समस्त मंदु यो वि सिं हा स न यो वि व यो वि
य यो ० भू यो व भू यो संधा हा य संधा रु दि वा
सिद्धि समय व क या द का व लि गृह २ स्वाहा

॥ नैं उका नूकं य कि छि ३ रु सर्व सं द द या थ
 वलि गृह २ स्वाहा ॥ ॥ जो या ॥ दो ३ ॥ लो ३ ॥
 ३ ॥ लो ३ ॥ हं २ सं २ ॥ २ ॥ ॥ स्मा ॥ ग ॥ अ ॥ ख ॥
 म ॥ लो ॥ का ॥ ली ॥ ॥ आ ॥ मा ॥ न ॥ का ॥ लि ॥ न ॥ ग ॥ क ॥ न ॥ र ॥ न ॥
 न ॥ मि ॥ ग ॥ न ॥ क ॥ मा ॥ त ॥ म ॥ ग ॥ मि ॥ वि ॥ स्त्री ॥ द्वी ॥ चानू

नं ग ॥ पृथु ॥ ग ॥ न ॥ उ ॥ घ ॥ ना ॥ भ ॥ ख ॥ ना ॥ व ॥ न ॥ न ॥ ॥ ग ॥ ग ॥ ॥ ॥ द ॥
 वा ॥ ॥ व ॥ म ॥ ॥ ग ॥ ग ॥ व ॥ न ॥ क ॥ स ॥ म ॥ व ॥ न ॥ व ॥ व ॥ न ॥ क ॥
 ग ॥ ग ॥ न ॥ ॥ स ॥ म ॥ ग ॥ क ॥ क ॥ का ॥ खा ॥ वि ॥ न ॥ व ॥ ह ॥ स ॥ न ॥
 न ॥ न ॥ न ॥ दि ॥ वी ॥ घ ॥ मा ॥ घ ॥ ॥ ॥ स ॥ व ॥ न ॥ ॥ ॥ नि ॥ व ॥ द ॥
 वा ॥ च ॥ न ॥ वि ॥ ध ॥ न ॥ त ॥ स ॥ र्व ॥ वि ॥ धि ॥ य ॥ नि ॥ य ॥ न ॥ म ॥ स ॥

॥ ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ तय्यल ॥ ईं ४ मूला यरुट ॥ स्नानकाकाय
॥ नासत्रिकाय ॥ नादाय ॥ नथूयक ॥ मंकात्र
मूला ॥ नासिया ॥ मूर्या ॥ मकि ॥ ॐ तिनिवाइ
नविधि ॥ ५ ॥ अथ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यावतं लोकं तदुक्तं वाचनं ॥ अथ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दूज्जिर्जन ॥ मूर्या ॥
ॐ अखण्डमण्डलाकारं ॥ ॐ यद्वासनया
दूका ॥ ॐ यद्वासनया दूका ॥ ॐ कुम्भासनया
दूका ॥ ॥ ॐ किलिश्चिद्वर्कानो यद्वा ४ मू
ला यरुट्वा दूका दूज्जयामि ॥ ॥ नास ॥

नैं हं लया गया दुकां॥ जौ दया या या
दुकां॥ जौ निरस खा ला॥ जौ निखा ये वोष
ठ या दुकां॥ जौ कव या ये दुकां॥ जौ न
ये ग या ये वषट् या दुकां॥ जौ मू मू का य रु
ट् या दुकां॥ जौ ने मू दां द न थ ॥ ॐ ति क

ल या ग यू जा॥ ॥ नैं सें ल मूर्च या ग या द
कां यू ज या मि॥ मों दया या ये या दुकां॥ मों
निरस खा ला॥ मों निखा ये वोषट्॥ मों क
व या ये दुकां॥ मों न ग या ये वषट्॥ मों मू
का य रुट्॥ थानि मू दां द न थ ॥ ॐ ति मू

चैयारयूजा॥ ॥ नैं झं झं झं झं ॥ नमः
॥ च न न यादू का ॥ झं झं न यादू का ॥
॥ सि न न यादू का ॥ झं झं न यादू का ॥
॥ य य यादू का ॥ झं यादू का ॥ ॥
यं च वलि विया ॥ नैं न यादू का नाथायव

लिं गृह २ खा हा ॥ नैं न कां क जया लायव
लिं गृह २ खा हा ॥ नैं न यां या नि नी या वलि
गृह २ खा हा ॥ नैं न झं या मू अ य वलि गृ
ह २ खा हा ॥ नैं न नैं न न य न य वलि गृ
ह २ खा हा ॥ नैं न नैं ॥ नमः श्री नाथाय नमः

४॥ नमः श्री सिद्धि नाथाय नमः ४॥ नमः श्री कृ
ॐ गनाथाय नमः ४॥ श्री वादुकां ॥ ॥ स्व
लाहा गनधि सारं ॥ श्री सवर्त्म मण्डप
॥ ॥ विदं वयुजा नैः श्री अनकमण्डल
श्री श्री दिदं व वादुकां युज आमि ॥ नैः न

नासनयादुकां ॥ नैः श्री कौं कौं रयाला यवा
दुकां युज आमि ॥ वलि ॥ नैः श्री सयु
नोसनयादुकां युज आमि ॥ नैः श्री वी
वदकनाथाय वादुकां युज आमि ॥
वलि ॥ नैः श्री मूलां सुने वादुकां युज

आमि॥ नै॥ गौं गज वन थया दू कायुज
यामि॥ वलि॥ ॥ नता विण वड वृच
ॐ न्या स॥ नै॥ मृयू ह गं मृका यरु
द॥ नै॥ जी ना जय दं मृ गृ सो यनम
॥ नै॥ मृ नै॥ नी नम॥ नै॥ उग्र चणु

निवृमर्दनीमक्षमा यनम॥ नै॥ दू दू
मदा न कश्चू ना मि का यनम॥ नै॥ त्वी
मी शं स क नि क्षा यनम॥ नै॥ मृयू ह
मृ मृ का यरु द॥ ॥ नै॥ ना जय दं दू दं
या य था दू का॥ नै॥ मृ नै॥ नि न स खा दू॥ नै॥

उद्य च ७७ त्रियु सदे नी निखा ये वोषट ॥ नै ५
कूँ ॐ सदान कश्क वचाय कूँ ॥ नै ५ वोमिं दू
स नै ५ तयाय वट ॥ नै ५ मृयू हन ग्रु म्हाय
रुट ॥ ॐ मि न्यास ॥ ॥ देव स्कृ नान नै ५ ॥
नै ५ मू धा नग कथ यादू को ॥ नै ५ मून का

सनाय यादू को ॥ नै ५ स्कृ दाय यादू को ॥ नै
५ ना नाय यादू को ॥ नै ५ य द्वाय यादू को ॥
नै ५ य गाय यादू को ॥ नै ५ कण नाय यादू
को ॥ नै ५ कर्णु काय यादू को ॥ नै ५ य द्मा स
न यादू को ॥ नै ५ सिं हा स न यादू को ॥ नै ५ म

हि वासनयादूकां ॥ वैश्वं रासनयादूकां ॥
वैश्वं निर्गुं रासनयादूकां ॥ ध्यान ॥ पर्यां जलि
मै ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मातृ गणेशाय वादूकां पूजयामि ॥ वलि ॥ ० ॥
नै ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नै ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥